॥कर्दळीवन॥ सेवा संघ आयोजित ''भारत के कैलास यात्रा''

मणिमहेश कैलास यात्रा 2022

भगवान भोलेनाथ का अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव

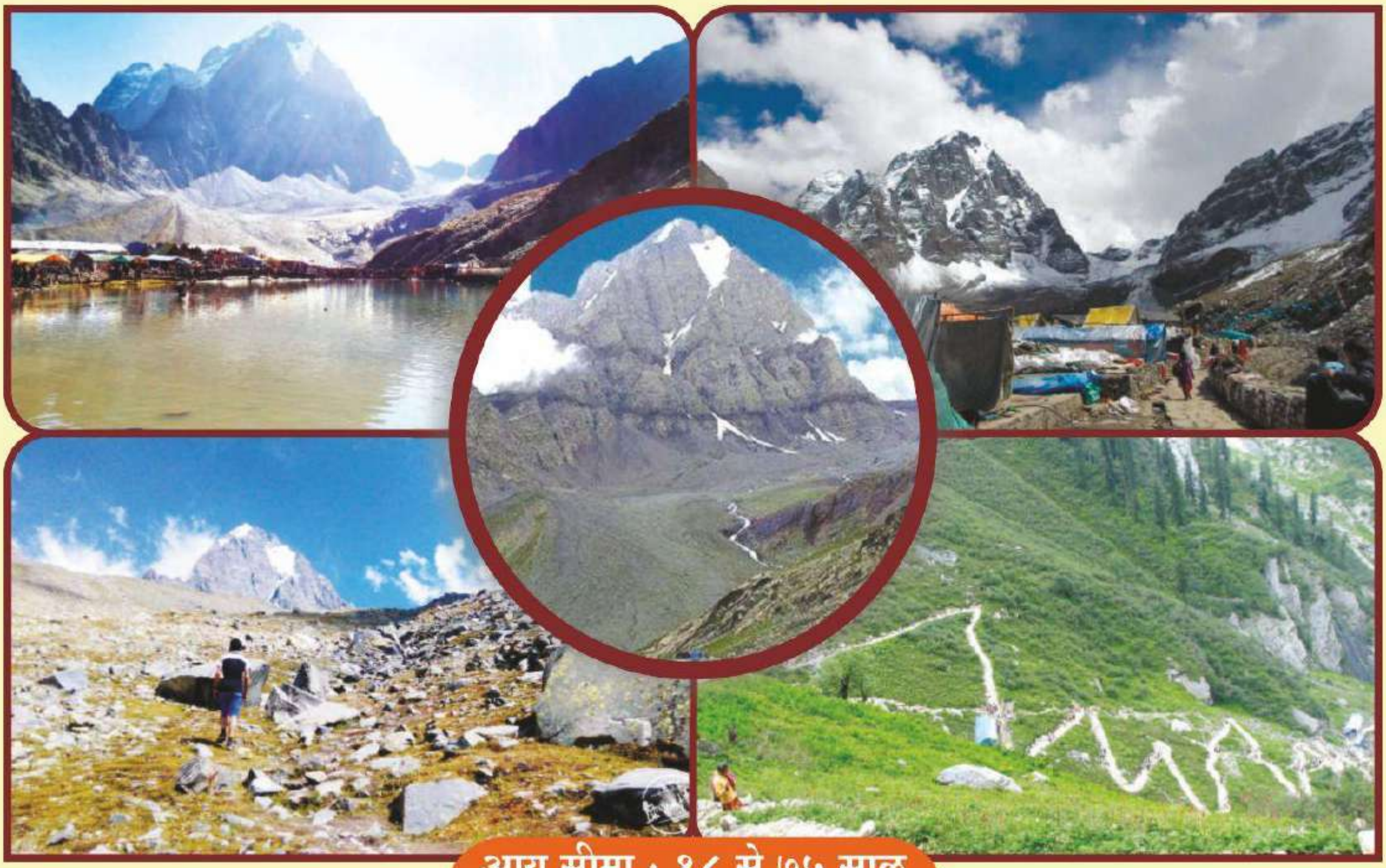

आयु सीमा : १८ से ७५ साल

दिल्ली से दिल्लीः ११ दिन - ५ बैच - जून से सितंबर

सहभागी शुल्कः ₹ ३६,९९९/- (+५% GST)

केवल ₹ १०,०००/- का भुगतान कर पंजीकरण करें।

सभी जानकारी और ऑनलाइन पंजीकरण के लिए **www.kardaliwan.com/manimahesh**

सीमित सीटें... अभी रजिस्टर करें...

कर्दळीवन सेवा संघ, पुणे - ६२२, जानकी रघुनाथ, पुलाची वाडी, झेड ब्रिज के पास, डेक्कन जिमखाना, पुणे - २४

मो: 9657709678 / 9371102439 व्हॉटस्ॲप : 7057617018

फोन: 020-25534601 / 25530371 ईमेल : swami@kardaliwan.com

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

मणि महेश कैलास यात्रा २०२२

भगवान भोलेनाथ की अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभूती

कैलास माहात्म्य : कैलास का नाम लेने पर हर भारतीय का गला भर आता है। शिव शंकर भोलेनाथ सबके देवता हैं। ऐसी मान्यता है कि शिवशंकर कैलास में निवास करते हैं और यही उनकी लीला भूमि है। ऐसा माना जाता है कि शिव शंकर, भगवान विष्णु, भगवान ब्रह्मा और अन्य सभी देवताओं के साथ, यक्ष, किन्नर, गंधर्व, अप्सरा आदि सभी कैलास के आसपास के क्षेत्र में रह रहे हैं। कैलास नाम में ही एक अद्भुत रहस्य है। कैलास यात्रा आत्म-साक्षात्कार की यात्रा है। कैलास के रास्ते पर, हम मुक्ति के रास्ते पर हैं। कैलास के आश्चर्यों में से एक यह है कि यह हजारों वर्षों से लोगों के मन में बसा हुआ है। इसके बारे में कुछ खास बात है। वो है यहाँ की पवित्रता, अच्छाई और आध्यात्मिक ऊर्जा। कैलास पर्वत के चारों ओर दैवी स्पंदन और दिव्य कंपन एक बहुत ही उच्च और रोमांचकारी अनुभव देते हैं।

भारत के कैलास - कैलास यह शब्द सुनते ही हमारे आँखों के सामने चीन ने हडप किये हुए तिब्बत में स्थित **कैलास मानसरोवर** की याद आती है। लेकिन साथ ही, इस तथ्य के बारे में बहुत कम जानकारी है कि भारत में चार कैलास ऐसे हैं जो समान रूप से शुभ और रोमांचकारी अनुभव प्रदान करते हैं। मजे की बात यह है कि इन चारों कैलासों के पास भी एक सरोवर है। भारत के इन चार कैलासों के नाम हैं - 1) आदि कैलास 2) श्रीखंड कैलास 3) मणि महेश कैलास 4) किन्नर कैलास

दरअसल, तिब्बत कैलास मानसरोवर यात्रा के लिए १९६२ के भारत-चीन युद्ध से पहले भारत से यात्री जाते थे। इन पांचों कैलास सहित पंच कैलास यात्रा की संकल्पना दृढ़ है। पंच कैलास की तरह, पंच बद्री, पंच केदार और पंच प्रयाग हिमालय में सबसे पवित्र क्षेत्र हैं।

मणिमहेश कैलास इसे भरमौरी कैलास के नाम से भी जाना जाता है। क्योंकि यह भरमौर गांव के पास है। मणिमहेश कैलास को शिव पार्वती का क्रीडा स्थली माना जाता है। इस क्षेत्र में शिव पार्वती अपना एकान्त जीवन व्यतीत करते हैं। मणिमहेश झील समुद्र तल से लगभग १३,००० फीट ऊपर है और इसके सामने भरमौरी कैलास पर्वत शिखर समुद्र तल से १९,००० फीट ऊपर है। इस बर्फ से ढके पहाड़ पर सुबह-सुबह प्रकाश की पहली किरण दिखाई देती है। प्रकाश की यह किरण भगवान शिव के गले में बसें नाग के मणिसे निकलती है और इसी पर्वत पर फैलती है। इसका मतलब है कि भगवान शिव प्रकाश की उन किरणों के साथ भरमौरी कैलाश पहुंचे हैं। इसलिए इस झील को मणिमहेश झील कहा जाता है। मणि महेश कैलास हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित है। दिल्ली से ५०० किमी. पठानकोट और वहां से १३५ किमी. ऊपर की जगह चंबा है। वहां से ६५ किमी. मैं भरमौर और वहां से १२ किमी सड़क मार्ग से हडसर तक बस या वाहन से पहुंचा जा सकता है। हडसर से फिर पैदल परिक्रमा शुरू होती है। हडसर से ७ किमी. मैं दूरी में एक जगह है धनछौह। उससे ७ किमी आगे दूरी में पार्वती कुंड है। मान्यता है कि यहां माता पार्वती स्नान करती हैं। उसके सामने १ किमी. मैं दूरी में मणिमहेश कुंड है और उसके सामने भरमौरी कैलास के दर्शन होते

हैं। ऐसा माना जाता है कि इसमें अक्सर गणपति, नंदी, कार्तिकेय आदि देवता भी प्रकट होते हैं । धनछौह में भस्मासुर ने शिवशंकर को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या की थी। भगवान शंकर ने प्रसन्न होकर यह वरदान दिया की, जिसके सिर पर तुम हाथ रखोगे, वह जल जाएगा। चूंकि यह स्थान शिव पार्वती का क्रीडा स्थली है, इसलिए माता पार्वती भस्मासुर को वर देते समय शंकर के साथ थीं। उसे देखकर भस्मासुर ने पार्वती का पीछा किया। तब शंकर ने उसे रोक लिया। इसलिए उसने भगवान शंकर के सिर पर हाथ रखने के लिए उनका पीछा किया। बाद में, भगवान विष्णु ने मोहिनी के रूप में नृत्य किया और भस्मासुर को उसके ही सिर पर हाथ रखने के लिए मजबूर कर नष्ट कर दिया।

व्यवस्था व कालावधी : दिल्ली से दिल्ली - ११ दिवस

सहभागी शुल्क: ₹36000/- (+ GST - ₹1800/-)

केवल ₹10000/- का भुगतान कर पंजीकरण करें। शेष राशि यात्रा से 30 दिन पहले जमा करें।

बैंक खाता संबंधी जानकारी :
बैंक का नाम: बैंक ऑफ महाराष्ट्र, डेक्कन जिमखाना शाखा, पुणे ४११००४
खाते का नाम: कर्दलीवन सेवा संघ एल. एल पी। (Kardaliwan Seva Sangh LLP)
खाता संख्या: 60351921286 **IFSC कोड:** MAHB0000003

संस्था गुगल पे क्रमांक: 7057617018

५ बॅचेस : 1 १५ ते २५ जून २०२२ 2 २६ जून ते ५ जुलै २०२२ 3 ८ ते १८ सप्टेंबर २०२२

■ **विशेषताएं : -**

१) अनुभवी आयोजक और शेरपा

२) सुसज्जित चिकित्सा किट, ऑक्सीजन सिलेंडर और आपातकालीन व्यवस्था

■ **यात्रा में कैसे भाग लें?** यात्रा के पहले दिन शाम 4 बजे के बाद दिल्ली पहुंचें। स्वयंसेवक वहीं मिलेंगे। वहां से यात्रा के कार्यक्रम के अनुसार यात्रा शुरू होगी।

■ **यात्रा कार्यक्रम**

(आयु सीमा 18 से 70 साल)

1. **पहला दिन** - दिल्ली आगमन - निवास
2. **दूसरा दिन** - दिल्ली से पठानकोट (बस) - निवास
3. **तीसरा दिन** - पठानकोट से भरमौर (वाहन से) - निवास
4. **चौथा दिन** - भरमौर - भरमानी - भरमौर निवास (ट्रेक ८ किमी)
5. **पांचवा दिन** - भरमौर - हडसर (जीप १३ किमी) - ढंचो निवास (ट्रेक ७ किमी)

6. **छठा दिन** - ढंचो - मणिमहेश झील - निवास (ट्रेक ७ किमी)
7. **सातवा दिन** - मणि महेश - ढंचो निवास (ट्रेक ७ किमी)
8. **आठवा दिन** - ढंचो - हडसर - भरमौर निवास (७ किमी ट्रेक)
9. **नौवा दिन** - भरमौर - डलहौसी निवास (वाहन द्वारा)
10. **दसवा दिन** - डलहौसी - पठानकोट - रात की बस से दिल्ली के लिए प्रस्थान
11. **ग्यारहवा दिन** - दिल्ली में आगमन ४ pm के बाद - यात्रा समाप्त (दिल्लीमें केवल निवास व्यवस्था है। आप उसी दिन शाम या अगले दिन आप वापसी यात्रा शुरु कर सकते है।

ट्रेक के लिए जाने के वक्त पोनी (घोडा) उपलब्ध है। औसतन रु. ३,००० रु. से ४,००० रु. तक इसकी कीमत हो सकती है। यह खर्चा उन यात्रियों को करना होगी जो वास्तविक यात्रा के दौरान घोड़ा चाहते हैं।

विशेष नोटः- यात्रा कार्यक्रम नियोजित है। कुछ अपरिहार्य कारण, प्राकृतिक समस्याएं, भूस्खलन, कार ब्रेक डाऊन होना, सड़कें बंद होना, राजनीतिक समस्या, आंदोलन आदि की वजह से शेड्यूल में बदलाव हो सकता है । कृपया ध्यान दें कि यदि कुछ चीजे आयोजक की सीमा से परे होते हैं तो। उस समय हर तरह का सहयोग करें ।

- यात्रा के दौरान कोविड-19 के सभी नियमों का पालन किया जाएगा
- **महत्वाचे:** पूरी यात्रा के दौरान अपना मूल आधार कार्ड अपने साथ रखें। साथ ही दोनों टीकाकरण प्रमाणपत्रों की दो प्रतियां और 2 फोटो पास में रखें।

▪ कैसे पंजीकृत करें?

१) पंजीकरण फॉर्म को पूरा करें, उस पर हस्ताक्षर करें और २ फोटो के साथ आधार कार्ड या पैन कार्ड दें।
२) पंजीकरण के समय ₹१०,०००/- की राशि का भुगतान करना होगा। शेष राशि का भुगतान यात्रा की तारीख से ३० दिन पहले करना होगा।

▪ कॅन्सलेशन / रिफंड पॉलिसी:

१) एक बार पंजीकृत होने के बाद, इसे किसी भी कारण से रद्द नहीं किया जा सकता है। भुगतान की गई राशि वापस नहीं की जाएगी। आप यात्रा से ३० दिन पहले पर्यायी व्यक्ती दे सकते हैं।
२) कृपया ध्यान दें कि यदि यात्रा हमारे द्वारा कोरोना या किसी अन्य सरकारी या बहुत अपरिहार्य कारणों से रद्द की जाती है, तो शेष राशि ५०००/- प्रसंस्करण शुल्क काटकर वापस कर दी जाएगी।

▪ मणि महेश कैलास यात्रा के संबंध में महत्वपूर्ण बातें :

1. यह हिमालय के ऊंचे पहाड़ों से होकर जाने वाली यात्रा है। हर तीर्थयात्री को इसके लिए बनाए गए नियमों और निर्देशों का पालन करना होता है। हिमालय में, आपके साथ रहने वाले शेरपाओं और गाइडों के साथ मैत्रीपूर्ण

और सौहार्दपूर्ण बातचीत करना आवश्यक है। प्रत्येक तीर्थयात्री यात्रा के दौरान समूह के साथ चलना चाहता है। स्वतंत्र या अकेले न दौड़ें।

2. पंजीकरण के समय, तीर्थयात्रियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे मणि महेश कैलास की यात्रा करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं। मणि मणेश कैलास यात्रा जैसी साहसिक आध्यात्मिक यात्राएँ निश्चित रूप से कुछ जोखिम उठाती हैं। हर यात्री को इसे समझना चाहिए और अपने करीबी परिवार और रिश्तेदारों को यह विचार देना चाहिए। प्राकृतिक आपदाएँ, बदलते मौसम, अचानक कठिनाइयाँ और अप्रत्याशित परिस्थितियाँ गंभीर समस्याएँ पैदा कर सकती हैं। हिमालय में यात्रा करने से जानमाल का नुकसान, आर्थिक नुकसान और दुर्घटनाएं हो सकती हैं। प्रत्येक तीर्थयात्री को यह तीर्थयात्रा अपने जोखिम पर करनी चाहिए। प्रत्येक यात्री से अनुरोध है कि वह इस तथ्य पर ध्यान दें कि किसी भी अप्रत्याशित घटना के लिए आयोजकों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है और आयोजकों की ओर से कोई कानूनी दायित्व नहीं है।
3. मणि महेश कैलास यात्रा के दौरान केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाता है। कृपया ध्यान दें कि यदि कोई तीर्थयात्री अपने व्यवहार, शारीरिक स्थिति या किसी अन्य कारण से यात्रा करने के लिए अयोग्य हो जाता है, तो यात्रा के प्रमुख को उसे बाहर करने/प्रत्यावर्तन करने का अधिकार होगा। ऐसे बहिष्कृत व्यक्तियों को कोई वित्तीय धनवापसी नहीं मिलेगी। इस समय यात्रा के मुखिया का निर्णय सभी पर बाध्यकारी होगा। कृपया पंजीकरण करने से पहले यात्रा से संबधीत सभी जानकारी नि:संकोच पुछे । शंकाओं का समाधान होना चाहिए। उसके बाद ही रजिस्ट्रेशन करें।
4. सभी प्रकार की शिकायतों और दावों के लिए अदालती प्रक्रिया का क्षेत्राधिकार पुणे सिटी कोर्ट क्षेत्र होगा।

मणि महेश कैलास यात्रा की तैयारी और कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुओं के संबंध में निर्देश

अ) मणि महेश कैलास यात्रा के दौरान हम हिमालय में १५,००० से १८,००० फीट तक जाते हैं। हिमालय में अनिश्चित मौसम, सर्द हवाएं, बेमौसम बारिश, बर्फ के बीच की यात्रा को अच्छी तरह से समझना चाहिए। यात्रा से पहले तीन महीने तक रोजाना कम से कम 1 से 2 किमी पैदल चलने का अभ्यास करें। साथ ही सांस लेने और प्राणायाम का अभ्यास करें। आपके पास कम से कम कुछ सामान और ठंडी हवा और बारिश से बचने के लिए कपड़े होने चाहिए।

ब) प्रत्येक तीर्थयात्री को निम्नलिखित वस्तुओं को अपने साथ ले जाने की सलाह दी जाती है।

1. हुड (टोपी) के साथ पवन सुरक्षा जैकेट - 1
2. लंबे हाथ वाला स्वेटर - 1
3. ऊनी दस्ताने 1, ऊनी मोजे 2, सूती मोजे 3
4. पैंट - टी-शर्ट / सलवार कमीज 3 से 4 सेट
5. मजबूत ट्रेकिंग जूते 1 साथ ही शू लेस 2
6. पानी की बोतल।.
7. सन ग्लास गॉगल्स।
8. छोटी LED बैटरी के साथ 4 सेल अतिरिक्त
9. रेन कोट (बड़े आकार का) / पोंचो
10. सामान के लिए मध्यम आकार की सॅक - 1
11. ट्रेकिंग के लिए मजबूत पीठ पर मजबूत सॅक
12. सन स्क्रिन लोशन.
13. रबर स्लीपर आदि
14. कैमरा पाउच - जिसमें कैमरा, पैसा, दवाइयां, दस्तावेज रखे जा सकते हैं।

ब) यात्रा प्रतिदिन सुबह ८ बजे के बीच शुरू होगी। हम अगले चरण के शिविर में शाम 6 बजे तक पहुंच जाएंगे।
क) यात्रा के दौरान सावधान और आत्मविश्वास से भरी चाल की आवश्यकता होती है। कठिन रास्तों पर चलते हुए हम सभी के साथ-साथ शेरपाओं और गाइडों का भी सहयोग चाहते हैं। अकेले कुछ भी करने की हिम्मत न करें। यात्रा समूह द्वारा की जानी है। हम अपना और अपने समुदाय का ख्याल रखना चाहते हैं।
ड) ट्रेक के दौरान आपके सामान का वजन 7 किलो होता है। ऐसी सीमा के भीतर होना चाहिए।
इ) रात्रि विश्राम टेंट/होम स्टे में है । आहार में चपाती / पूरी, दाल, सब्जियां, चावल, अचार, परांठे, सूप, चाय, कॉफी और स्थानीय सब्जियां शामिल होंगी।

पुणे से दिल्ली या मुंबई से दिल्ली का सफर

पुणे से मुंबई के लिए कई ट्रेनें हैं। एक तरफा थर्ड एसी का टिकट लगभग 2000/- से 2500/- रुपये में उपलब्ध है। एयरलाइंस भी उपलब्ध हैं। इसका वन वे टिकट करीब 4 से 5 हजार के आसपास है। अगर आप दो से तीन महीने पहले बुकिंग कराते हैं तो आपको चार हजार तक टिकट मिल सकते हैं। ट्रेन या हवाई टिकट जारी करने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

चीनी सरकार को 1.5 लाख करोड़ रुपये का चौंका देने वाला भुगतान किया गया

लाखों भारतीयों के श्रद्धास्थल कैलास मानसरोवर यह तिब्बत के प्रान्त पर चीन ने धोखे से कब्जा कर लिया। १९९० से २०२० तक लगभग पांच करोड़ भारतीय नागरिकोंने ट्रेकिंग द्वारा नेपाल मार्ग से कैलास मानसरोवर की यात्रा की है । चीनी सरकार ने प्रति यात्री लगभग ६०० अमेरिकी डॉलर से ८०० अमेरिकी डॉलर का भारी शुल्क लगाया है । (लगभग ४२,०००/- से ५६,००० रुपये प्रती व्यक्ती) इसका मतलब है कि पिछले ३० वर्षों में, भारतीयों, भक्तों ने अपने श्रद्धास्थल कैलास मानसरोवर पर जाने के लिए चीनी सरकार को लगभग १.५ से २ लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया है। क्या दुर्भाग्य है कि चीन लगातार भारत पर हमला कर रहा है, गुप्त हमले कर रहा है और लगातार भारत के खिलाफ काम कर रहा है ! इसीलिए **प्रा. क्षितिज पाटुकलेजी** ने कर्दळीवन सेवा संघ की ओर से **"भारत के कैलास यात्रा"** यह अभियान शुरु किया है। भारत के कैलास का मतलब उत्तराखंड राज्य में स्थित १) आदि कैलास, हिमाचल प्रदेश राज्या में स्थित २) श्रीखंड कैलास, ३) किन्नर कैलास और ४) मणिमहेश कैलास ऐसे चार कैलास इस संकल्पना में शामिल है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक भारतीयों को भारत के कैलास यात्रा के लिए प्रेरित करना है। इससे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सीमावर्ती इलाकों में रोजगार पैदा होगा और उनकी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। (भारत के कैलास इस नाम से प्रा. क्षितिज पाटुकले ने लिखी एक पुस्तक हम शिघ्र प्रकाशित कर रहे है।)

कर्दळीवन सेवा संघ के बारे में जानकारी

कर्दळीवन सेवा संघ पुणे धार्मिक रोमांच और आध्यात्मिक तीर्थयात्राओं का आयोजन करता है। कर्दळीवन सेवा संघ को अभिनव, अपरिचित लेकिन जागृत और दिव्य अनुभवों के यात्रा - परिक्रमा का आयोजन करने की विशेषता है।
कर्दळीवन सेवा संघ इन यात्रा - परिक्रमा का आयोजन करता है।